जेनेसिस ग्लोबल स्कूल में *''कॉन्क्वेस्ट ऑफ द एवरेस्ट ऑर द सैल्फ ?''* विषय पर

प्रेरक गतिविधि आयोजित

नोएडा, 24 जनवरी, 2014 : नोएडा स्थित प्रतिष्ठित डे–कम रेजीडेन्शियल स्कूल **जेनेसिस ग्लोबल स्कूल** ने **'जेनेसिस कन्वर्सेशंस'** श्रृंखला के पांचवे संस्करण – **''कॉन्क्वेस्ट ऑफ द एवरेस्ट ऑर द सैल्फ ?''** का आयोजन किया। इस मौके पर एवरेस्ट फतह करने वाली दुनिया की पहली स्कूल टीम भी उपस्थित थी।

'जेनेसिस कन्वर्सेशंस' साहित्यिक गतिविधि है जो शिक्षाक्षेत्र और हस्तियों के बीच संवाद को बढ़ावा देती है। इसकी शुरूआत लॉरेन्स स्कूल, सनावर के लड़कों के साथ हुई जिन्होंने पिछले साल 21 मई, 2013 को एवरेस्ट फतह कर यह उपलब्धि हासिल करने वाली दुनिया की पहली स्कूल टीम के तौर पर अपनी पहचान बनायी।

टीम में छह छात्र – पृथ्वी सिंह चहल, फतेह सिंह बरार, गुरइबादत सिंह सोमल, अजय सोहल, शुभम कौशिक और राघव जुनेजा शामिल थे। ये सभी 10वीं से 12वीं कक्षा के छात्र थे। राघव जुनेजा ने 15 साल सात माह की उम्र में सबसे कम उम्र के एवरेस्ट पर्वतारोही होने का रिकार्ड भी बनाया।

इस मौके पर हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट, दार्जिलिंग के पूर्व प्रधानाध्यापक कर्नल नीरज राणा ने कहा, *''ऐसे अभियानों में सुरक्षा सबसे प्रमुख सरोकार होता है। एवरेस्ट तक पहुंचने के रास्त में कई काफी खतरनाक इलाके भी हैं लेकिन हमारे शेरपाओं ने यह सुनिश्चित किया कि हर पर्वतारोही सुरक्षित ढंग से चोटी पर पहुंचे।'*

इस अभियान में शामिल रहे एक छात्र के पिता श्री एस एस बरार भी 'जेनेसिस कन्वर्सेशंस' के दौरान उपस्थित थे। उन्होंने इन युवाओं को सम्मानित करने पर प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद जेनेसिस ग्लोबल स्कूल के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस मायने में यह आयोजन वाकई अनूठा है।''

इस दौरान इन छात्रों ने अपने आगे के जीवन और कॅरियर के बारे में विचार जाहिर किए और जेनेसिस ग्लोबल स्कूल के छात्रों तथा फैकल्टी को उनके साथ चर्चा करने तथा उनकी उपलब्धि से प्रोत्साहित होने का मौका मिला। हाल में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने खड़े होकर इन छात्रों के प्रति सम्मान जाहिर किया। सभी टीम सदस्यों को बेसिक एवं एडवांस माउंटेनियरिंग पाठ्यक्रमों में हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट, दार्जिलिंग ने 'ए' एल्फा ग्रेड प्रदान किया है।

इस कार्यक्रम का संचालन पूर्व ओलंपिक तीरंदाज, अर्जुन पुरस्कार विजेता और लारेन्स स्कूल, सनावर के पूर्व छात्र **श्री गुरबीर सिंह, डायरेक्टर (स्पोर्ट्स)** ने किया। कार्यक्रम को लेकर संतोष जाहिर करते हुए उन्होंने कहा, ''मैं आज इस कार्यक्रम का संचालन कर बेहद खुशी महसूस कर रहा हूं। ये युवाओं सही मायने में चैंपियन हैं जिन्होंने इतनी कम उम्र में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर कदम रखे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने हैं। हमें इन पर गर्व है। यह वाकई किसी भी खिलाड़ी के लिए अद्भुत और अपार संतोष प्रदान करने वाला अनुभव है।''

इस अवसर पर श्री प्रमोद शर्मा, प्रधानाध्यापक, जेनेसिस ग्लोबल स्कूल ने कहा, *''हमें यह देखकर सुखद अनुभूति हो रही है कि इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी आज हमारे बीच हैं। हम लगातार अपने छात्रों और शिक्षकों के लिए इस प्रकार के मंच उपलब्ध कराते रहते हें। ''जेनेसिस कन्वर्सेशंस'' हमारी महत्वपूर्ण पहल है और हम आगे भी जीवन के अलग–अलग क्षेत्रों के लोगों को इस मंच पर आमंत्रित करने को उत्सुक हैं।''*

जेनेसिस स्कूल के बारे में

नोएडा स्थित जेनेसिस ग्लोबल स्कूल एक प्रीमियर डे और आवासीय स्कूल है, जिसका परिसर 30 एकड़ क्षेत्रफल में फैला है। एक 6 लेन वाले एक्सप्रेसवे के जरिये इसकी कनेक्टिविटी भी शानदार है और यह दिल्ली से काफी नजदीक भी है। स्कूल को डे–कम–बोर्डिंग इंटरनेशनल स्कूल श्रेणी में 7वां और दिल्ली/एनसीआर में डे–कम–बोर्डिंग इंटरनेशनल स्कूल वर्ग में तीसरा स्थान मिला है। हिंदुस्तान टाइम्स सी–फोर सर्वे ने भी जेनेसिस ग्लोबल स्कूल को शिक्षा से लेकर खेल–कूद तक अलग–अलग कसौटियों पर परखने के बाद 5वीं वरीयता दी है।

तकनीक, आधुनिक अध्यापन कला, संस्कृति और इनोवेशन के उपयुक्त संयोजन से यह स्कूल बच्चों को अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है। जेनेसिस ने **ब्रिटेन के क्लिफ्टन कॉलेज और लॉ एमिताज इंटरनैशनल स्कूल ऑफ फ्रांस** के साथ सहयोग किया हुआ है और यहां **राष्ट्रीय (सीबीएसई)** व **अंतरराष्ट्रीय (आईजीसीएसई)** पाठ्यक्रम की पढ़ाई होती है। स्कूल **आईबी (पीवाईपी) तथा (डीपी) का भी उम्मीदवार स्कूल है।**

यहां का पाठ्यक्रम बेहद व्यापक होता है और उन प्रमुख विषयों पर आधारित होता है, जो सिर्फ किताब तक ही सीमित नहीं रहता बल्कि विचार, सिद्धांत और कौशल विकास में भी मदद करता है। जेनेसिस में शानदार खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं और यहां काफी संख्या में को–करिकुलर गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता है, जो स्कूलों में पहले कभी नहीं देखी गई। यहां बेहद शानदार बोर्डिंग सुविधा है, जिसमें शाम के 6 बजे तक विस्तारित डे स्कूल (डे बोर्डिंग), पांच दिन बोर्डिंग (सप्ताहांत पर माता–पिता के साथ रहने की छूट) और नियमित सात दिन का बोर्डिंग शामिल है, जिसमें सभी सुविधाओं वाला मेडिकल रूम और रेजीडेंट डॉक्टर भी है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :
सृष्टि माथुर, srishti.mathur@buzzpr.in / 9818890486
नितिशा गौड़, ngaur@perfectrelations.com / 8800541282